B.A. (Honours) Examination 2017
Semester-VI
Hindi (Honours)
Course : H-15
(आधुनिक कविता : भाग-3)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 2×8=16

(क) तो हमें स्वीकार है वह भी। उसी में रेत होकर
फिर छलेंगे हम, जमेंगे हम, कहीं पर पैर टेकेंगे।
कहीं फिर खड़ा होगा नए व्यक्तित्व का आकार।
मातः, उसे फिर संस्कार तुम देना।

(ख) औरों की सिद्धि पर सिर धुनें
दूर की ढोल पर गप्प ही गप्प बुनें
साज का काम टालें कल पर
तर्क ही तर्क करें–

(ग) झपटता बाज फन उठाये साँप दो पैरों पर खड़ी काँटों से नन्हीं पत्तियाँ खाती बकरी/दबे पाँव झाड़ियों में चलता चीता/डाल पर उलटा लटका फल कुतरता तोता/या इन सबकी जगह आदमी होगा।

(घ) सहसा चौरास्ते पर जली लाल बत्ती जब
एक दर्द हौले से हिरदै को हूल गया
ऐसी क्या हड़बड़ी कि जल्दी में पत्नी को चूमना
देखो, फिर भूल गया।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए – 2×12=24

(क) 'यह दीप अकेला' कविता की मूल भावना को उद्घाटित कीजिए।

(ख) पठित कविताओं के आधार पर नागार्जुन के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) सर्वेश्वर दयाल सकसेना के काव्य-सौन्दर्य पर विचार कीजिए।

(घ) 'मोचीराम' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।